पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवतरण दिवस समारोह

के अंतर्गत

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

एवं

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

राष्ट्रीय विचार संगोष्ठी

'भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय'

दिनांक : मंगलवार, 24 सितम्बर 2024, प्रातः 10 बजे

स्थान : संगोष्ठी कक्ष, प्रशासनिक भवन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

राकेश कुमार गुप्ता कुलसचिव	प्रोफेसर (डॉ.) अनिल कुमार राय कुलपति

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

राजस्थान के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालयों में शामिल और शेखावाटी क्षेत्र की पहचान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर, 2012 में स्थापित हुआ। राज्य सरकार द्वारा वित्त–पोषित यह विश्वविद्यालय वैश्विक प्रतिस्पर्धी वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। करीब 61.57 एकड़ के हरियाली युक्त परिसर में फैला यह विवि पारंपरिक शेखावाटी वास्तुकला और आधुनिक सुविधाओं का मिश्रण प्रस्तुत करता है।

विश्वविद्यालय ने बहुत कम समय में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है और आधुनिक टेक्कनोलॉजी से क्वालिटी एज्युकेशन प्रदान करने में संलग्न है। वाई–फाई कैम्पस, ई–लाईबैरी, डिजीटल लैब्स व स्मार्ट क्लासरूम के माध्यम से देश–विदेश में बैठे विशेषज्ञों से स्टूडेंट्स को रूबरू कराया जाता है। कैम्पस में बना हाई–फाई मीडिया स्टूडियो पत्रकारिता के विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रेक्टिकल और ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए देश–दुनिया से जोड़ता है। विश्वविद्यालय समय पर परीक्षाएं कराने व परिणाम घोषित करने में भी अव्वल है। विश्वविद्यालय में परीक्षाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया भी पूरी तरह डिजिटल कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने एनईपी–2020 लागू कर कई नए स्किल बेस्ड कोर्स भी शुरू किए हैं।

विश्वविद्यालय छात्रों के व्यक्तिगत व सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक उत्कृष्टता पर जोर देता है। यही दृष्टिकोण छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और तेजी से विकसित हो रहे विश्व में सफलता के लिए स्टूडेंट्स को तैयार करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर

धानक्या, जयपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक के महत्व को देखते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति (पंजीकृत) का गठन जुलाई 2019 में किया गया था। समिति का उद्देश्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक एवं इससे संबंधित स्थलों के सर्वांगीण विकास एवं संरक्षण के लिए सरकार को सकारात्मक सहयोग प्रदान करना है। यह समिति स्मारक स्थल धानक्या (जयपुर) एवं निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्र, पंडित जी की शिक्षा व जीवन से संबंधित स्थानों को जोड़ने, ऐतिहासिक, संस्कृति एवं राष्ट्रीय जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान विस्तार, संस्कार युक्त सामाजिक एवं संस्कृति रक्षण व संवर्धन कार्यक्रमों से देश व दुनिया को जोड़ने का कार्य करती है। राष्ट्रीय स्मारक एवं उनके स्मृति स्थलों पर जल संरक्षण, पर्यावरण, लोकमेलों, उत्सवों, राष्ट्रभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन भी यह समिति करती है। यह समिति पंडित जी द्वारा प्रतिपादित दर्शन एवं सिद्धांतों पर शोध प्रकाशन, प्रसारण, पर्यटन, भारतीय संस्कृति विकास, स्वदेशी संरक्षण, ग्राम विकास आदि कार्यों को भी प्रमुखता से करती है। यह समिति अध्ययन केंद्र, प्रशिक्षण केंद्र, विद्यालय, महाविद्यालय की स्थापना, केंद्र व राज्य सरकार व समाज से परियोजना अनुदान प्राप्त करना, महिला सशक्तीकरण हेतु कार्यक्रमों का आयोजन भी प्रमुखता से करती है। समिति भारतीय ज्ञान को युगानुकूल एवं आधुनिक ज्ञान को देशानुकूल प्रस्तुत करने की दृष्टि से शोध संवर्धन एवं सकारात्मक कार्य करती है। यह समिति उपाध्यायजी के जीवन व साहित्य पर प्रकाशन व प्रसारण के साथ कार्यशालाओं, मेलों व प्रदर्शनी का भी आयोजन करती है। समिति पुस्तकालय एवं शोध केंद्र की स्थापना कर शोध संवर्धन का कार्य कर रही है। समिति उपाध्याय जी के नाम से देशभर में संचालित विभिन्न संस्थानों को समन्वित कर सामूहिकता से कार्य करने की दिशा में कदम बढ़ाया रही है।

संगोष्ठी का उद्देश्य

पंडित जी की 108वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी उनके विचारों, दर्शन को समकालीन संदर्भ में समझने और उनका सम्मान करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पंडित जी के ''एकात्म मानववाद'' के सिद्धांत को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समझना और उसकी प्रासंगिकता पर चिंतन करना है। यह समारोह विकसित भारत की परिकल्पना पर गहन चिंतन का अवसर प्रदान करेगा, जिसमें शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से युवा पीढ़ी को पंडित जी के विचारों से अवगत कराना हैं, ताकि वे इन विचारों को अपने जीवन में उतार सकें। यह समारोह न केवल एक स्मरणोत्सव है, बल्कि भविष्य के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी है, जो हमें राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्थान के लिए प्रेरित करेगा। संगोष्ठी में विद्वज्जन पंडित जी के विचारों पर चर्चा करेंगे और उन्हें वर्तमान भारत के विकास के संदर्भ में समझने का प्रयास करेंगे।

संगोष्ठी की रूपरेखा

	प्रातः 8.30 से 10.00 बजे	:	पंजीकरण /अल्पाहार		
उद्घाटन सत्र	प्रातः 10:00 से 11:30 बजे	:	समारोह गौरव	:	संत श्री जय साहेब ओम दास जी महाराज अखिल भारतीय पीठाधीश्वर सांगलिया पीठ
			मुख्य अतिथि	:	डॉ. महेश चंद शर्मा, अध्यक्ष, एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली पूर्व निदेशक, दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान, नई दिल्ली
			विशिष्ट अतिथि	:	श्री ओंकार सिंह लखावत अध्यक्ष, राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण, जयपुर
			पुस्तक विमोचन	:	'राष्ट्रजीवन दर्शन के निर्माता : पंडित दीनदयाल उपाध्याय' (डॉ. अनिल सैनी–मनोज कुमार धानिया)
			अध्यक्षता	:	प्रो. मोहन लाल छीपा अध्यक्ष, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर
			स्वागताध्यक्ष	:	प्रोफेसर (डॉ.) अनिल कुमार राय माननीय कुलपति, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विवि.
	प्रातः 11:30 से 11:35 बजे		चाय अंतराल		
प्रथम सत्र	प्रातः 11:35 से दोपहर 1:05 बजे	:	विषय	:	भारतीय ज्ञान परंपराः भारतीय ज्ञान के स्त्रोत, ऐतिहासिक और दार्शनिक दृष्टिकोण
			वक्तागण	:	1. श्री ओंकार सिंह लखावत, अध्यक्ष, राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण, जयपुर 2. श्री अतुल जैन, प्रधान सचिव, दीनदयाल शोध संस्थान, दिल्ली 3. श्री अमित गोस्वामी, प्रिंसीपल साइंटिस्ट, नई दिल्ली
			अध्यक्षता	:	डॉ. महेश चंद शर्मा अध्यक्ष, एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान व विकास प्रतिष्ठान, दिल्ली
	दोपहर 1:05 से 2:00 बजे		दोपहर भोजन		
द्वितीय सत्र	अपराह्न 2:00 से 3:30 बजे	:	विषय	:	भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विभिन्न अवधारणाएं
			वक्तागण	:	1. प्रो. कौशल किशोर मिश्रा आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विवि., वाराणसी 2. डॉ कंचन पाण्डे दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, बनारस हिन्दू विवि., वाराणसी
			अध्यक्षता	:	श्री प्रतापभानू सिंह शेखावत सचिव, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर
	अपराह्न 3:30 से 3:35 बजे		चाय अंतराल		
तृतीय सत्र	अपराह्न 3:35 से 5:00 बजे	:	विषय	:	पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा का आधुनिक संदर्भ
			वक्ता	:	1. प्रो. मोहन लाल छीपा अध्यक्ष, पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर
			शोध सार प्रस्तुति	:	पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर शोधार्थियों द्वारा
			अध्यक्षता	:	श्री कन्हैया लाल बेरवाल कुलाधिपति, डॉ. हरि सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर
समाहार सत्र	सायं 5:00 से 5:30 बजे	:	मंचासीन अतिथि	:	1. प्रो. मोहन लाल छीपा अध्यक्ष, पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर 2. प्रो. कौशल किशोर मिश्रा आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विवि., वाराणसी
			अध्यक्षता	:	प्रोफेसर (डॉ.) अनिल कुमार राय माननीय कुलपति, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विवि.
			संगोष्ठी सार प्रस्तुति	:	डॉ. अक्षांश भारद्वाज पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर
			धन्यवाद ज्ञापन	:	श्री राकेश कुमार गुप्ता, कुलसचिव, पीडीयूएसयू, सीकर
	सांय 05.30 बजे		स्वल्पाहार		

पंजीयन प्रक्रिया

संगोष्ठी में विद्यार्थियों के लिए 100 रूपए का पंजीयन शुल्क निर्धारित किया गया है। पंजीकरण ''पहले आओ, पहले पाओ'' के आधार पर अधिकतम 80 विद्यार्थियों का किया जाएगा। केवल पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए उपस्थित रहने पर प्रमाण पत्र, चाय–नाश्ता व दोपहर के भोजन की व्यवस्था रहेगी।

ये भी रहेंगे आकर्षण का केन्द्र

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी पर शोध सार प्रस्तुति	वैदिक वाग्विद्या और पंडित जी पर केंद्रित प्रदर्शनी का आयोजन

आयोजक

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

एवं

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर

संगोष्ठी संयोजक

डॉ. महेश चन्द गुप्ता पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर	**डॉ. अक्षांश भारद्वाज** पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर